SYLLABUS FOR

THE FOUR-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME (FYUGP)

As per provision of NEP-2020
Implemented from Academic Year 2022 onwards

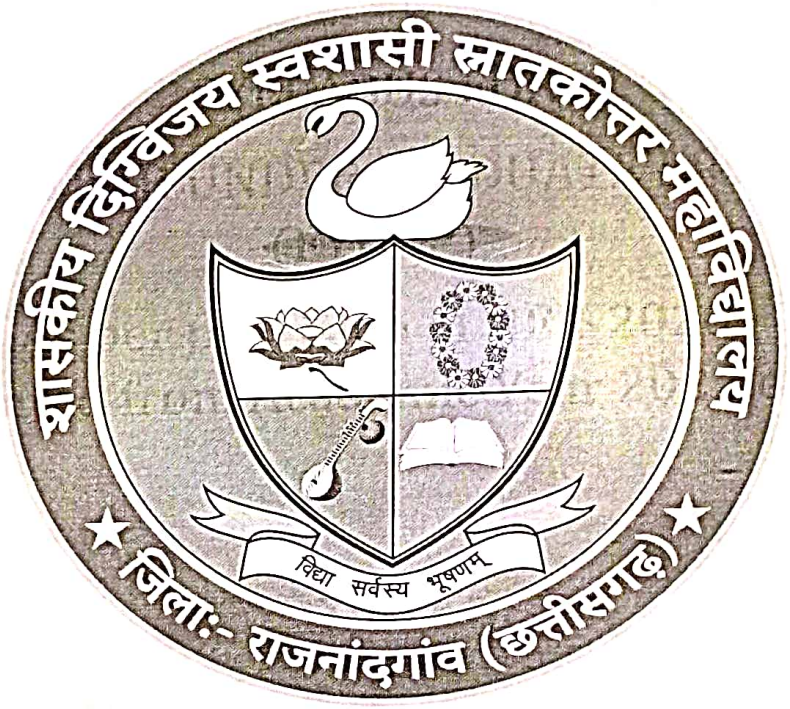

DEPARTMENT
OF
SANSKRIT

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUGP) IN SANSKRIT, AS PER NEP 2020 (SEMESTER- III AND IV)

(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P G COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A. (Multiple Major) - DEGREE COURSE

(Session 2024-25)

Major 1- SANSKRIT

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	PAPER TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
SECOND YEAR	III	DSC		नाटक एवं कथा साहित्य	4	100	80	20
		DSE		गीता एवं उपनिषद्	4	100	80	20
		SEC		भारतीय रंगमञ्च-1	2	50	40	10
	IV	DSC		काव्यशास्त्र	4	100	80	20
		DSE		भारतीय दर्शन	4	100	80	20
		SEC		भारतीय रंगमञ्च-2	2	50	40	10

ESE- End Semester Exam, IA-Internal Assessment

Instruction for Question paper setting

End Semester Exam (ESE) for DSC and DSE

There will be 03 sections of question of 80marks

Section A- section A will be very short answer type questions consisting 8 questions of 2 marks, two question from each unit.

Section B- section B will be short answer type questions consisting 4 questions of 6 marks each, one question from each unit with internal choice.

Section C- section B will be long answer (Discreptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice.

End Semester Exam (ESE) for SEC

There will be 8 questions of 8 marks each, out of which any 5 question to be answer.Total marks will be 40.

Minimum Pass Marks 40%

Section	Maximum Marks (80)		Maximum Marks (40)	
A	2 x 8 = 16	Very short answer type questions consisting 8 questions of 2 marks, two question from each unit.	8 x 5 = 40	8 questions of 8 mark each, out of which any 5 question to be answer.
B	6 x 4 = 24	Short answer type questions consisting 4 questions of 6 marks each, one question from each unit with internal choice.		
C	10 x 4 = 40	long answer (Discreptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice		

Department: -SANSKRIT

Session: 2024-25	Program: B.A.
Semester: III	Subject: SANSKRIT

Programe Specific Outcome:

1. संस्कृत की लौकिकसाहित्य धारा के क्रमवद्ध विकास से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2. संस्कृत नाट्य एवं कथा साहित्य में निहित सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का ज्ञान देकर विद्यार्थियों का चारित्रिक विकास होगा।
3. संस्कृत नाट्य एवं कथा साहित्य लेखन के गुणों का प्रारम्भिक वीजारोपण होगा।
4. संस्कृत नाट्य एवं कथा साहित्य के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।
5. विद्यार्थियों को नाट्य एवं कथा साहित्य के क्षेत्र में शोध हेतु प्रारम्भिक समझ विकसित होगी
6. भारतीय औपनिषदिक ज्ञान परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।
7. गीता के अध्ययन से आत्मज्ञान एवं आत्मप्रबंधन की कला से युक्त होंगे।
8. जीवनमूल्य, तार्किकता,लोककल्याण की भावना के विकास के साथ साथ भारतीय आध्यात्म परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।
9. चारित्रिक निर्माण एवं व्यक्तित्व का विकास होगा।
10. नाट्य विधा में दक्ष एवं निपुणता प्राप्त होगी।।
11. नाट्य कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।
12. अभिनय कला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **III**	Subject: **SANSKRIT**
Course Type: **DSC**	Course Code: UBADCT307
Course Title	: **नाटक एवं कथा साहित्य**
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**नाटक एवं कथा साहित्य**
Course Learning Outcome:	➢ संस्कृत साहित्य की नाटक एवंकथा नामक विधाओं का सम्यक् ज्ञान होगा। ➢ संस्कृत दृश्य काव्य एवं कथा साहित्य के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी। ➢ पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से विद्यार्थी सुपरिचित हो सकेंगे। ➢ नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा। ➢ संस्कृत नाट्य एवं कथालेखन एवं शोध के क्षेत्र में प्रारम्भिक समझ विकसित करना।

Units	Lectures	Lectures (15 x 4 = 60)	Credits
I	15	स्वप्नवासवदत्तम् नाटक-महाकवि भास प्रथम अङ्क- व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक से समीक्षात्मक प्रश्न	01
II	15	अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक-महाकवि कालीदास चतुर्थ अङ्क- व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक से समीक्षात्मक प्रश्न	01
III	15	हितोपदेश(मित्रलाभ)- कथामुखम्,वृद्धव्याघ्रपथिकयो: कथा	01
IV	15	हितोपदेश(मित्रलाभ)- गृद्धविड़ालयो: कथा,हिरण्यककथा	01

अनुशंसितग्रन्थ –

1. स्वप्नवासवदत्तम्,श्री तारणीश झा,रामनारायनलाल वेनीमाधव प्रकाशन,इलाहवाद
2. स्वप्नवासवदत्तम्,आचार्य जगदीश लाल शास्त्री , मोतीलाल वनारसी दास,वाराणसी
3. अभिज्ञानशाकुंतलम्,डॉ. कपिलदेव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
4. अभिज्ञानशाकुंतलम्,सुवोधचन्द्रपंथ, मोतीलाल वनारसी दास,वाराणसी
5. हितोपदेश-व्याख्याकार-पं. केशव देव शास्त्री,चौखम्वा प्रकाशन,वाराणसी
6. हितोपदेश,विश्वनाथ शर्मा,मोतीलाल वनारसी दास,वाराणसी
7. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास–आचार्यवलदेवउपाध्याय, प्रकाशक –शारदा मन्दिर, काशी
8. संस्कृतसाहित्य का अभिनव इतिहास–डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम समिति

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1-	डॉ. दिव्या देशपाण्डे	
2-	डॉ. ललित प्रधान आर्य	
3-	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4-	डॉ. सुषमा तिवारी	
5-	डॉ हेमंत शर्मा	

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON
(C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **III**	Subject: **Sanskrit**
Course Type: **DSE**	Course Code: UBADET307
Course Title:	गीता एवं उपनिषद्
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	गीता एवं उपनिषद्
Course Learning Outcome:	➢ विद्यार्थी प्राचीन भारतीय औपनिषदिक ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे। ➢ गीता के अध्ययन से आत्मज्ञान एवं आत्मप्रबंधन की कला से युक्त होंगे। ➢ आत्मज्ञान के साथ साथ जीवनमूल्य, तार्किकता एवं लोककल्याण की भावना का विकास होगा। ➢ व्यक्तित्व का विकास होगा।

Units	Lectures	Lectures (15 x 4 = 60)	Credits
I	15	श्रीमद्भगवद्गीता एवं उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं महत्व	01
II	15	श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 2 श्लोक संख्या 11 - 38 तक	01
III	15	कठोपनिषद् प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली मंत्र संख्या 1 - 14 तक	01
IV	15	कठोपनिषद् प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली मंत्र संख्या 15 - समाप्ति पर्यंत	01

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. श्रीमद् भगवद्गीता- शांकर भाष्य,हिन्दी अनुवाद सहित,गीताप्रेस,गोरखपुर।
2. श्रीमद् भगवद्गीता- आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी।
3. कठोपनिषद् - डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी।
4. कठोपनिषद् - गीताप्रेस,गोरखपुर।
5. कठोपनिषद्- व्या. डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद,1983
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-डॉ. बलदेव उपाध्याय,शारदा प्रकाशन, वाराणसी
7. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति-डॉ. कपिल देव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम समिति

क्र. नाम हस्ताक्षर

1- डॉ. दिव्या देशपाण्डे

2- डॉ. ललित प्रधान आर्य

3- डॉ. सुमन सिंह बघेल

4- डॉ. सुषमा तिवारी

5- डॉ हेमंत शर्मा

(डॉ. प्राणेश्वर साहू

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: 2024-25	Program: B.A.
Semester: III	Subject: SANSKRIT
Course Type: SEC	Course Code: .....
Course Title:	भारतीय रंगमञ्च -1
Credit: 2	Lecture: 30
M.M. 50 = (ESE 40+IA10)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	भारतीय रंगमञ्च -1
Course Learning Outcome:	➢ प्राचीन भारतीय रंगमञ्च का ज्ञान प्राप्त होगा। ➢ नाट्य विधा में दक्ष एवं निपुण होंगे। ➢ नाट्य कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। ➢ अभिनय कला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे। ➢ प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज, लोकव्यवहार,भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

UNIT	Lectures	Lectures (15 x 2 = 30)	Credits
I	07	नाट्योत्पत्ति,नाट्यलक्षण,नाट्यप्रयोजन तथा महत्त्व,संस्कृत नाट्य की प्रमुख विशेषताएँ	0.5
II	08	अभिनय- आङ्गिक,वाचिक,सात्विक,आहार्य नाट्य के भेदक तत्वों का सामान्य परिचय-वस्तु,नेता,रस	0.5
III	08	नाट्य के पारिभाषिक शब्द- नान्दी,प्रस्तावना,सूत्रधार,नेपथ्य,विदूषक,जनान्तिकम्,प्रकाशम्, अपवारितम्,स्वगत,भरतवाक्य	0.5
IV	07	नाट्य के प्रकार- नाटक,प्रकरण,प्रहसन,नाटिका	0.5

अनुशंसितग्रन्थ –

1.नाट्यशास्त्र-भरतमुनि,पारसनाथ द्विवेदी,सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी

2.संक्षिप्त नाट्यशास्त्र(हिन्दी भाषा अनुवादसहित),राधावल्लभ त्रिपाठी,वाणी प्रकाशन,वाराणसी

3.नाट्यशास्त्र का इतिहास,डॉ. पारसनाथ द्विवेदी,चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

4.दशरूपक,भोलाशंकर व्यास,चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

5.नाटक और रंगमञ्च,सीताराम झा,विहार संस्कृत प्रकाशन,पटना

6.संस्कृत नाट्य कला,रामलखन शुक्ल,परिमल पब्लिकेशन, नई दिल्ली

7.भरत नाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप, डॉ. राय गोविन्द चन्द्र, काशी मुद्रणालय,विश्वेश्वर गंज,वाराणसी

8.संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास,आचारी राधवाल्लभ त्रिपाठी,विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

9.संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास खण्ड 1-4,राधावल्लभ त्रिपाठी,न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन,दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1-	डॉ. दिव्या देशपाण्डे	
2-	डॉ. ललित प्रधान आर्य	
3-	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4-	डॉ. सुषमा तिवारी	
5-	डॉ हेमंत शर्मा	
6.	डॉ. फगेश्वर साहू	